M.S.W. (CBCS Pattern) Semester-II

MSWCB204-G-10 / MSW204G10 : Community Organization and Social Action Paper-IV

P. Pages : 3 **GUG/W/24/11777**

Time : Three Hours * 4 6 7 1 * Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the concept of community and describe the objective and function of community? **16**

OR

Write in detail on community organization in Tribal Community.

2. Define community organization and describe the steps of community organization. **16**

OR

Describe the features of Rural community and explain the problems of Rural Community.

3. Explain community organization as a method and process. **16**

OR

Explain social work intervention and importance of community empowerment.

4. Explain different Role of community organizer. **16**

OR

Describe the leadership development and networking in community organization.

5. Write short notes on **any two**. **16**

a) Gandhian approach in the context of community organization.

b) Importance of Social movement.

c) Principles of community organization.

d) Social action indirect method of social work.

****

M.S.W. (CBCS Pattern) Semester-II

MSWCB204-G-10 / MSW204G10 : Community Organization and Social Action Paper-IV

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. समूदायाची संकल्पना स्पष्ट करून समूदायाचे उद्देश व कार्य विशद करा. **16**

किंवा

आदिवासी समूदायातील समूदाय संघटन यावर सविस्तर लिहा.

2. समूदाय संघटनेची व्याख्या सांगून समूदाय संघटनेच्या पायऱ्या विशद करा. **16**

किंवा

ग्रामिण समुदायाची लक्षणे सांगून ग्रामिण समूदायाच्या समस्या स्पष्ट करा.

3. समुदाय संघटन समाजकार्याची एक पध्दत व प्रक्रिया म्हणुन स्पष्ट करा. **16**

किंवा

समूदाय सक्षमीकरणाचे महत्व व समाजकार्य आंतरक्रिया स्पष्ट करा.

4. समूदाय संघटकाच्या विविध भूमिका स्पष्ट करा **16**

किंवा

समूदाय संघटनेत नेतृत्व विकास व जालीकरणाचे वर्णन करा.

5. टिपणे लिहा **कोणतेही दोन**. **16**

अ) समूदाय संघटनेच्या संदर्भात गांधीजींचा दृष्टीकोण

ब) सामाजिक चळवळीचे महत्व

क) समूदाय संघटनेचे तत्वे

ड) सामाजिक क्रिया समाजकार्याची अप्रत्यक्ष पध्दत

****

M.S.W. (CBCS Pattern) Semester-II

MSWCB204-G-10 / MSW204G10 : Community Organization and Social Action Paper-IV

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. समूदाय की संकल्पना स्पष्ट करके समूदाय के उद्देश एवं कार्य स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

आदिवासी समूदाय में समूदाय संघटन पर विस्तृत लिखिए।

2. समूदाय संघठन की परिभाषा किजिए एवं समूदाय संघटन के चरण लिखिए। **16**

अथवा

ग्रामिण समूदाय के लक्षण स्पष्ट करके ग्रामीण समूदाय की समस्या स्पष्ट किजिए।

3. समूदाय संघठन समाजकार्य की पध्दत एवं प्रक्रिया स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

समूदाय सक्षमीकरण का महत्व एवं समाजकार्य आंतरक्रिया स्पष्ट किजिए।

4. समूदाय संघटक की विभिन्न भूमिका को स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

समूदाय संघठन में नेतृत्व विकास एवंम जालीकरण का वर्णन किजिए।

5. टिप्पणीयाँ लिखिए **किन्ही दो**। **16**

अ) समूदाय संघटन के संदर्भ में गांधीजी के दृष्टीकोन।

ब) सामाजिक चळवळ का महत्व।

क) समूदाय संघटन के तत्व।

ड) सामाजिक क्रिया समाजकार्य की अप्रत्यक्ष पध्दत।

****